श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी लिखित भाग
कथा तथा अन्य पुस्तकें:—

१	श्रीशुक (नाटक)	मूल्य
२	मतवाली मीरा	,,
३	महात्मा कण	,,
४	भारतीय संस्कृति और शुद्धि	,,
५	मेरे महामना मालवीय	,,
६	शोक शान्ति	,,
७	भागवती कथा की बानगी	,,
८	नाम संकीर्तन महिमा	,,
९	बदरीनाथ दर्शन	,,
१०	भागवती कथा, ६८ भाग तक	,,
११	भागवती कथा, प्रति खण्ड	,,
१२	श्रीभागवत चरित सजिल्द	,,
१३	श्रीभागवत चरित की बानगी	,,
१४	चैतन्य चरितावली (प्रथम खण्ड)	,,
१५	प्रभुपूजा पद्धति	,,

पता—संकीर्तन भवन, झूसी [प्रयाग]

❀ श्रीहरिः ❀

मेरे महामना मालवीय जी

और

उनका अन्तिम सन्देश

—:०:—

लेखक

श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी

—:०:—

प्रकाशक

संकीर्तन भवन, झूसी [प्रयाग]

—:०:—

寄贈 昭和46年度科学研究費購入図書 東外大・東洋文化研 合同海外学術調査団 氏

य वार] संवत् २०१८ वि० [मूल्य ।)

परमात्मने ।
। नमोनमः ॥

नटवर ! पता नहीं
? हे लीलाधारी !
है ? अब कब तक
होगे, कब तक इसे
होगे । जब तुम
ारत का अन्तिम
भी कलमष-भूषण
किया । क्रूरनिर्दयी
ड़ित किया, सर्वत्र